बोर्ड कृतिपत्रिका : मार्च २०२०

हिंदी लोकवाणी

समय: २ घंटे **कुल अंक: ४०**

सूचनाएँ:

1. सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।
3. रचना विभाग (उपयोजित लेखन) में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य: 12 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

धीरे-धीरे गाँववाले को खोए हुए आदमी के कई गुणों के बारे में पता चलने लगा। वह पशु-पक्षियों से बातें करता प्रतीत होता। लगता था जैसे वह पशु-पक्षियों की भाषा जानता हो। वह आँधी, तूफान, चक्रवात आने, ओले पड़ने या टिड्डियों के हमले के बारे में गाववालें को पहले ही आगाह कर देता। उसकी भविष्यवाणी के कारण गाँववाले मुसीबतों से बच जाते। जब एक बार गाँव में सूखे की स्थिति उत्पन्न हो गई तो खोए हुए आदमी ने आकाश की ओर देखकर न जाने किस भाषा में किस देवता से प्रार्थना की। कुछ ही समय बाद गाँव में मूसलाधार बारिश होने लगी। सूखी-प्यासी मिट्टी तृप्त हो गई। बच्चे-बड़े सभी इस झमाझम बारिश में भीगने का भरपूर आनंद लेने लगे। उस दिन से खोया हुआ आदमी गाँव में सबका चहेता हो गया।

(1) आकृति पूर्ण कीजिए: (2)

खोए हुए आदमी के गुण

(i) .... (ii) ....

(2) i. गद्यांश में आए शब्द-युग्म ढूँढ़कर लिखिए: (1)

(i) .... (ii) ....

ii. निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में आए हुए पर्यायवाची शब्द लिखिए: (1)

(i) वर्षा : – ....

(ii) देहात : – ....

(3) 'वाणी की मधुरता' विषय पर **25** से **30** शब्दों में अपने विचार लिखिए: (2)

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

मैंने देखा, हरसिंगार नये पत्तों और टहनियों से लद गया है। जाड़े में खंखड़-सा हो जाता है और कभी-कभी डर लगता है कि यह सूख तो नहीं रहा है, लेकिन वसंत आते ही इसके भीतर सोई ऊर्जा जागने लगती है, प्राणरस छलकने लगता है और क्रमशः नई टहनियों तथा नये पत्तों के सौंदर्य से लद जाता है। मैं उसे देख रहा हूँ और लगता है, अब इसमें फूल आया, तब इसमें फूल आया। हाँ, यह हरसिंगार बहुत मस्त है। आषाढ़ में हलकी-हलकी हँसी उसमें फूटने लगती है, फिर शरद में तो कहना ही क्या! तारों भरा आसमान बन जाता है। रात भर जगमग-जगमग करता रहता है और सुबह को अनंत फूलों के रूप में धरती पर बिछ जाता है। रात भर उसकी महक घर में टहलती रहती है।

(1) कृति पूर्ण कीजिए: (2)

हरसिंगार में होने वाले बदलाव
वसंत ऋतु में ....
वर्षा ऋतु में ....

(2) (i) वचन परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए: (1)

ऊर्जा जागने लगती है।

(ii) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में आए विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए: (1)

(1) पुरानी × ....

(2) दिन × ....

(3) 'प्रकृति की रक्षा करना हमारा कर्तव्य' विषय पर **25** से **30** शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)

विभाग 2 – पद्य: 8 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

कस्तूरी कुंडल बसै, मृग ढूँढ़ै बन माहिं।
ऐसे घट में पीव है, दुनिया जानै नाहिं।।

जिन ढूँढ़ा तिन पाइयाँ, गहिरे पानी पैठ।
जो बौरा डूबन डरा, रहा किनारे बैठ।।

जो तोको काँटा बुवै, ताहि बोउ तू फूल।
तोहि फूल को फूल है, बाको है तिरसूल।।

(1) कृति पूर्ण कीजिए: (2)

(i) लिखिए
- → फूल बोने का परिणाम ....
- → काँटे बोने का परिणाम ....

(ii) लिखिए
- → किनारे पर यह बैठा रहता है ....
- → वन में कस्तूरी यह ढूँढ़ता है ....

(2) पहली **दो** पंक्तियों का सरल अर्थ **25** से **30** शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

यहाँ हर शख़्स हर पल हादिसा होने से डरता है,
खिलौना है जो मिट्टी का, फना होने से डरता है।

मेरे दिल के किसी कोने में इक मासूम-सा बच्चा,
बड़ों की देखकर दुनिया बड़ा होने से डरता है।

न बस में जिंदगी इसके, न काबू मौत पर इसका,
मगर इन्सान फिर भी कब खुदा होने से डरता है।

अजब ये जिंदगी की कैद है, दुनिया का हर इन्साँ,
रिहाई माँगता है और रिहा होने से डरता है।

(1) सजाल पूर्ण कीजिए: **(2)**

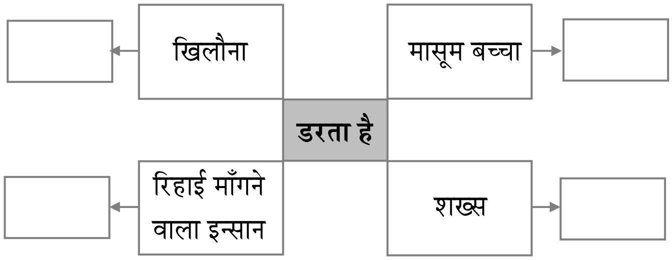

(2) अंतिम चार चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **(2)**

विभाग 3 – भाषा अध्ययन (व्याकरण): 8 अंक

प्र.3. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

(1) मानक वर्तनी के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **(1)**

1. विश्वास, विशवास, विसवास, विशवास – ……………
2. चिन्ह, चीन्ह, चिह्न्, चिह्न – ……………

(2) निम्नलिखित में से किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए: **(1)**

i. के लिए ii. शाबाश!

(3) कृति पूर्ण कीजिए: **(1)**

संधि शब्द	संधि विच्छेद	भेद
…………..	सत् + जन	…………..
	अथवा	
महात्मा	…………..	…………..

(4) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए: **(1)**

(यादों में जाग उठना, नाक-भौं सिकोड़ना)

बचपन के गीत सुनकर मेरी <u>यादें ताजा हो गईं</u>।

अथवा

निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए:

मन मारना –

(5) कालभेद पहचानना तथा काल परिवर्तन करना: **(2)**

i. निम्नलिखित वाक्य का कालभेद पहचानिए:

कल क्या खाया था?

ii. निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए:

1. पानी अब निर्मल नहीं रहा है। (सामान्य भविष्यकाल)
2. वह तुम्हें हमेशा बुरा-भला कहती है। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(6) वाक्य भेद तथा वाक्य परिवर्तन: **(2)**

i. निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए:

चंपा के पौधे लगा लिए हैं।

ii. निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए:

इस बात के लिए ये गाँववाले ही जिम्मेदार हैं। (प्रश्नार्थक वाक्य)

विभाग 4 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन): 12 अंक

सूचना – आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है।

प्र.4. सूचनाओं के अनुसार लिखिए। **[12]**

(अ)

1. पत्र-लेखनः **(4)**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए:

शरद/शारदा इंगले, तुकाई सदन, तिलक नगर, चालीसगाँव से व्यवस्थापक मनुश्री पुस्तक भंडार, महात्मा नगर, जलगाँव को हिंदी की निम्नलिखित पुस्तकें मँगवाने हेतु पत्र लिखता/लिखती है।

अ.क्र.	पुस्तकों के नाम	लेखक	प्रतियाँ
1.	गोदान	**प्रेमचंद**	4
2.	पानी के प्राचीर	**रामदरश मिश्र**	6
3.	पिंजर	**अमृता प्रीतम**	3

अथवा

प्रकाश/प्रगति सालुंखे, वर्तकनगर, जालना से अपने मित्र/सहेली गौरव/गौरवी चव्हाण, आह्लाद नगर, बीड को जन्मदिन की बधाई देने हेतु पत्र लिखता/लिखती है।

2. कहानी-लेखनः **(4)**

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 60 से 70 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए:

एक आलसी किसान – अमीर होने का सपना – साधू के पास जाना – गुप्त धन की जानकारी पूछना – साधू का कहना – गुप्त धन खेत में – किसान द्‌वारा रोज खेत को खोदना – धन न मिलना – किसान का निराश होना – बरसात के दिनों में बीज डालना – अच्छी फसल – किसान के पास अच्छा धन – शीर्षक – सीख।

अथवा

गद्‌य-आकलन (प्रश्न निर्मिति): **(4)**

निम्नलिखित गद्‌यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्‌यांश में एक-एक वाक्य में हों:

तविषा अपराध-बोध से भरी हुई थी। मांडवी दी से उसने अपना संशय बाँटा। चावल की टंकी में घुन हो रहे थे। उस सुबह उसने मारने के लिए डाबर की पारे की गोलियों की शीशी खोली थी चावलों में डालने के लिए। शीशी का ढक्कन मरोड़कर जैसे ही उसने ढक्कन खोलना चाहा, कुछ गोलियाँ छिटककर दूर जा गिरीं। गोलियाँ बटोर उसने टंकी में डाल दी थीं। फिर भी उसे शक है कि एकाध गोली ओने-कोने में छूट गई होगी।

(आ) निबंध-लेखन

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 60 से 70 शब्दों में निबंध लिखिए: **(4)**

(1) मैं पेड़ बोल रहा हूँ ....

(2) अनुशासन का महत्त्व।